डेली कॉलेज, जूनियर स्कूल

हिंदी सामूहिक कविता पाठ – 2018-19

कक्षा IV C

पाठ 10. मुझको वर्दी पहना दो

माँ! मुझको वर्दी पहना दो,
छोटी-सी बंदूक मँगा दो।
मैं नन्हा-सा सिपाही बन,
रणभूमि में जाऊँगा।
दुश्मन ने ललकारा है,
मैं उसको मार गिराऊँगा।
सुभाष जैसा वीर बना दो,
माँ! मुझको वर्दी पहना दो।

नहीं चाहिए मुझे खिलौने,
तलवारों से खेलूँगा।
तोप-टैंक से नहीं डरूँगा,
अँगारों से खेलूँगा।
मेरे माथे पर तिलक लगा दो,
माँ! मुझको वर्दी पहना दो।

Scanned by CamScanner

टीपू बनकर, राणा बनकर,
दुश्मन पर वार करूँगा।
मुझसे वह कैसे बचेगा,
वारों की बौछार करूँगा।
लाओ अब हथियार थमा दो,
माँ! मुझको वर्दी पहना दो।

देशभक्ति है मेरे सीने में,
देश सुरक्षित रखना है।
इसके लिए ही जीना है,
इसके लिए ही मरना है।
मेरा साहस और बढ़ा दो,
माँ! मुझको वर्दी पहना दो।

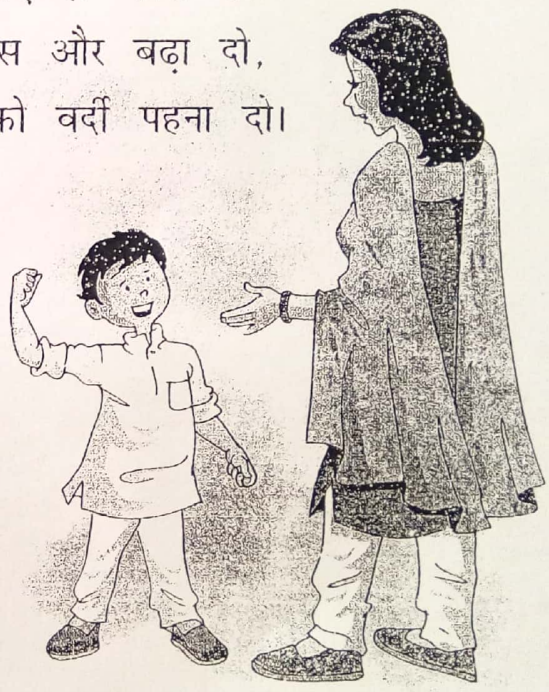

मुझमें हिम्मत भरी पड़ी है,
लड़ने को तैयार हूँ मैं।
पीछे हटना कायरता है,
बढ़ती हुई ललकार हूँ मैं।
जय-जय का नारा लगा दो,
माँ! मुझको वर्दी पहना दो।

अध्यापन संकेत: अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को इस कविता को कंठस्थ करने को कहें। इस कविता को बच्चे पूर्ण हाव-भाव अर्थात् अभिनय के साथ कक्षा में सुनाएँ।

Scanned by CamScanner